वर्ष :: 33 अंक : 45
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

मिथिला
वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता

/mithilavarnan

झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

बोकारो :: रविवार, 06 अगस्त, 2023 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका

अवश्य पढ़ें-
निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मैनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

बोकारो में भी छलका 'अमृत'

अमृत भारत स्टेशन योजना... 35.5 करोड़ की लागत से विश्वस्तरीय बनेगा रेलवे स्टेशन

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : देश के 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की कड़ी में इस्पातनगरी बोकारो में भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 'अमृत' छलका। बोकारो स्टील सिटी रेलवे स्टेशन आने वाले जल्द ही नए स्वरूप में दिखेगा। स्टेशन परिसर में 'अमृत भारत योजना' के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बोकारो स्टेशन के पुनर्विकास का ऑनलाइन शिलान्यास किया। स्थानीय स्तर पर इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि धनबाद लोकसभा क्षेत्र के सांसद पशुपतिनाथ सिंह सहित बोकारो विधायक बिरंची नारायण, मंडल रेल प्रबंधक सुमित नरूला के साथ-साथ अन्य विशिष्टगण उपस्थित थे। इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ आद्रा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक सुमित नरूला ने अतिथियों का स्वागत किया।

इस अवसर पर सांसद श्री सिंह ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत बोकारो रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास को बोकारो जिले के लिए गौरव की बात बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने बीते नौ वर्षों में हर क्षेत्र में बेहतर काम किया है, जो धरातल पर दिखने लगा है। स्टेशन के सुंदर बन जाने से आम लोगों को इसका लाभ मिलेगा। जो यात्री हर दिन रेलवे में सफर करते है, उनकी परेशानियों को देखते हुए लगातार नए काम हो रहे हैं। इस योजना से जहां स्टेशन का स्वरूप बदलेगा, वहीं कई नई सुविधाएं भी मिलेंगी। विधायक बिरंची नारायण ने कहा कि बोकारो रेलवे स्टेशन के विकास पर देश की सत्ता में रहने वाली सरकारों ने ध्यान नहीं दिया, जबकि बोकारो पूरे आद्रा मंडल में सबसे अधिक राजस्व देने वाला स्टेशन है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत यहां नई सुविधा देने की आधारशिला रखी है। इसका लाभ बोकारो के लोगों को मिलेगा।

इस अवसर पर अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत आद्रा और बोकारो के विभिन्न स्कूलों में आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इस दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। मौके पर सीनियर डीसीएम विकास कुमार, एआरएम आयुष कुमार सहित रेलवे के कई विभागों के अधिकारी सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

आकर्षक सांस्कृतिक साज-सज्जा के बीच मिलेंगी कई सुविधाएं

अमृत भारत योजना के तहत 508 स्टेशनों के पुनर्विकास के अन्तर्गत बोकारो स्टेशन पर क्रियान्वित होने वाले विभिन्न परियोजनाओं के तहत कई विश्वस्तरीय सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। इसके तहत विशेष सुविधाओं का उन्नतीकरण, जिसमें विस्तीर्ण वेटिंग लांज, स्वच्छ और स्वच्छंद स्नानघर, अलग रूप से सक्षम यात्रियों के लिए स्टेशन में पहुंचने की सुविधा, विशेष रूप से बुजुर्ग यात्रियों के लिए लिफ्ट और एस्केलेटर, सुविधा को सुगम बनाने के लिए, यात्रियों के लिए सहज संकेत एवं डिजिटल डिस्प्ले का स्थापना शामिल हैं। स्टेशन में यात्रियों के लिए जानकारी प्रणाली को सुधारा जाएगा और स्टेशन पर एग्जीक्यूटिव लाउंज स्थापित किए जाएंगे। गहरे ट्यूब वेल और पानी की पुनर्चक्रण संयंत्र भी स्थापित किया जाएगा। टिकटिंग और जानकारी प्रसारण प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए नवीनतम तकनीक का प्रयोग किया जाएगा। यात्रियों के लिए ट्रेनों में आसानी से चढ़ने और उतरने की सुविधा के लिए अपग्रेडेड प्लेटफॉर्म और रैम्प बनेगा। 12 मीटर चौड़े फुट ओवरब्रिज बोकारो स्टेशन पर निर्मित किया जाएगा, सुरक्षा बढ़ाई जाएगी और सांस्कृतिक धरोहर को प्रतिबिंबित करने वाले आकर्षक लैंडस्केपिंग और वास्तुकला आकर्षण का केंद्र होंगे। शिलान्यास समारोह के दौरान बोकारो रेलवे स्टेशन की अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत होने वाले विकास कार्यों को एनिमेटेड श्रव्य-दृश्य के माध्यम से दर्शाया गया।

आवश्यक सूचना

'मिथिला वर्णन' का अगला अंक रविवार 13 अगस्त, 2023 की जगह स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आगामी 15 अगस्त, 2023 को प्रकाशित होगा।

- संपादक।

आह्वान रिमांड, जमानत व न्याय-शास्त्र के प्रमुख मुद्दों पर सुप्रीम कोर्ट के जज सहित कई न्यायविदों का बोकारो में हुआ समागम

मुजरिमों की गिरफ्तारी को ले सही तरीके से अपनी जिम्मेदारी निभाए पुलिस : न्यायमूर्ति अमानुल्लाह

संवाददाता

बोकारो : न्यायिक अकादमी, झारखंड के सहयोग से बोकारो जजशिप एवं जिला प्रशासन द्वारा रिमांड और जमानत न्यायशास्त्र के प्रमुख मुद्दे विषय पर क्षेत्रीय सम्मेलन का आयोजन बोकारो स्टील प्लांट के एचआरडी ऑडिटोरियम में सम्पन्न हुआ। इस सम्मेलन में सर्वोच्च न्यायालय एवं झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति/न्यायाधीश, राज्य के विभिन्न जिलों से प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, न्यायिक, प्रशासनिक व पुलिस पदाधिकारियों के अलावा जिलों के अधिवक्ता आदि शामिल हुए। न्यायाधीश, सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया माननीय न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह ने अपने संबोधन में बेल इज रूल, जेल इज एक्सेप्शन पर विस्तार से अपनी बातों को रखा। न्यायमूर्ति ने धारा 41 एवं 41ए दं.प्र.सं. के तहत पुलिस द्वारा मुजरिमों को गिरफ्तार करने के दौरान पुलिस के कर्तव्य एवं जिम्मेदारियों को विस्तार से बताया गया।

साथ ही, उच्चतम न्यायालय के जजमेन्ट सतेन्द्र कुमार अनटील बनाम सी.बी.आई 2023 एवं अरनेस कुमार बनाम बिहार राज्य में पुलिस तथा न्यायिक दण्डाधिकारी को दिये गये दिशा-निर्देश को पालन करने पर चर्चा की गई। सम्मेलन के सम्मानित अतिथि मुख्य न्यायाधीश झारखंड उच्च न्यायालय-सह- संरक्षक-प्रमुख न्यायिक अकादमी झारखंड माननीय न्यायमूर्ति संजय कुमार मिश्रा ने वादों के निष्पादन से संबंधित अपने अनुभवों को साझा किया। अंतःक्रिया सत्र में सेशन में पुलिस पदाधिकारियों व पब्लिक प्रोसिक्यूटर आदि के कई वादों पर कानून-सम्मत प्रकाश डाला। न्यायाधीश झारखंड उच्च न्यायालय माननीय न्यायमूर्ति आनंदा सेन ने बेल जमानत तथा आपराधिक जमानत से संबंधित नए पहलुओं के संबंध में विस्तार से चर्चा की। वहीं, डीजी सीआईडी अनुराग गुप्ता ने अपने **(शेष पेज- 7 पर)**

– संपादकीय –

राहुल को राहत और नसीहत

कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी राहत दी है। न्यायालय ने मोदी उपनाम आपराधिक मानहानि मामले में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के खिलाफ निचली अदालत द्वारा पारित दो वर्षों की सजा पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में अंतिम फैसला होने तक सजा के फैसले पर रोक लगाने का आदेश दिया है। दरअसल, राहुल गांधी ने 2019 लोकसभा चुनाव के दौरान कर्नाटक में एक रैली के दौरान मोदी उपनाम को लेकर बयान दिया था, जिसे लेकर भाजपा विधायक पूर्णेश मोदी ने राहुल के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराया था। चार साल बाद 23 मार्च को सूरत की निचली अदालत ने राहुल को दोषी करार देते हुए 2 साल की सजा सुनाई थी और उसके अगले ही दिन राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता खत्म हो गई ती। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने सजा पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से राहुल गांधी की संसद सदस्यता बहाल होने का रास्ता साफ हो गया है। सुप्रीम कोर्ट के उक्त फैसले से कांग्रेस के लोगों को खुश होने का मौका जरूर मिला है, वे खुशियां मना भी रहे हैं। लेकिन, सच कहें तो यह राहुल के लिए खुश होने के साथ-साथ आत्म-मंथन का भी है। क्योंकि, सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें आरोपों से बरी नहीं किया है, बल्कि हिदायत भी दी है और उनकी भाषा पर ऐतराज भी जताया है। राहुल की याचिका की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि गुजरात की निचली अदालत ने अपने आदेश में यह नहीं बताया कि आखिर मानहानि के इस केस में अधिकतम सजा क्यों दी गई और हाई कोर्ट भी निचली अदालत के फैसले को जायज ठहराते हुए इस मुद्दे पर चुप ही रहा। सुप्रीम कोर्ट द्वारा गुजरात की निचली अदालत के साथ-साथ हाई कोर्ट के बारे में की गई टिप्पणी को लेकर भी कांग्रेस के लोग खुशियां मना रहे हैं। लेकिन, इस तस्वीर का एक दूसरा पहलू यह है कि सर्वोच्च न्यायालय ने राहुल गांधी को मानहानि केस में राहत देने के साथ-साथ नसीहत भी दी है। न्यायालय ने यह भी कहा कि राहुल गांधी ने जो कहा, वो गलत है। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल को यह भी याद दिलाई कि वो एक पब्लिक फीगर हैं, ऐसे में इस तरह की बातें करना सही नहीं है। राहुल को सुप्रीम कोर्ट की यह नसीहत वैसे राजनीतिज्ञों के लिए भी है, जो अपने विरोधियों के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी किया करते हैं। इसलिए ऐसे राजनेताओं के लिए यह चेतावनी जरूर है कि भविष्य में जोश में होश खोकर वे ऐसी बयानबाजी न करें, जिससे किसी भी जाति या धर्म के लोगों की भावनाएं आहत हों।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

... और अब मेवात- खतरे में शांति

कुकी और मैतेई के विवाद में मणिपुर आज भी झुलस रहा है। इस बीच हरियाणा के मेवात की घटना ने जो दृश्य दिखाए हैं, वो इस बात को साबित करने के लिए काफी हैं कि कहीं-न-कहीं हमारे देश की शांति आज खतरे में है। जिस प्रकार नूंह में महादेव मंदिर को चारों तरफ से घेरकर फायरिंग की गई, एक सौ से अधिक वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया, तीर्थयात्रियों पर हमले हुए और जमकर उत्पात हुआ, वह सांप्रदायिक अशांति और हिन्दुस्तान में हिन्दुस्तानियत के खतरे का परिचायक है। मेवात की धरती भगवान श्रीकृष्ण की भूमि है। यह उनकी क्रीड़ास्थली रही है। यह यात्रा नूंह के नल्हड़ महादेव मंदिर से प्रारंभ होकर शृंगार मंदिर पुन्हाना में संपन्न होती है। इन दोनों स्थानों का महत्व श्रीकृष्ण के नाम के साथ जुड़ा हुआ है। कहा जाता है कि यहीं श्रीकृष्ण विराजमान हुए थे और उन्होंने पवित्र शिवलिंग की स्थापना की थी।

इसी स्थान पर उन्होंने कौरवों-पांडवों के मध्य संधि करवाने का प्रयास किया था। शृंगार मंदिर वह स्थान है, जहां पर वहां के लोगों ने श्रीकृष्ण के बाल्यकाल में उनका शृंगार किया था। इसलिए इसका नाम शृंगार मंदिर पड़ा। पुन्हाना का नाम भी 'भगवान पुनः आना' के आधार पर रखा गया है। यहां फिरोजपुर झिरका में स्थित झीर महादेव मंदिर भी वही स्थान है, जहां पांडवों ने अज्ञातवास का समय बिताया था। इसलिए मेवात के कण-कण में प्रभु श्रीकृष्ण के अहसास को महसूस किया जा सकता है और इसी भाव को ध्यान में रखते हुए पिछले तीन वर्षों से इस ब्रजमंडल जलाभिषेक यात्रा का प्रयोजन किया जाता है, जिसमें हरियाणा व अन्य स्थानों से आए हुए शिवभक्त बड़ी संख्या में हिस्सा लेते हैं, इस यात्रा में राष्ट्रत्व का भाव रखने वाले मेव समाज के बंधु भी भागीदार होते हैं। पांडवकालीन स्थान होने के कारण श्रावण मास में यह यात्रा अनेक वर्षों से होती आ रही है। आज मेवात की पहचान हिन्दू विरोधी गतिविधियों के लिए होने लगी है। पिछले कुछ वर्षों में यहां से बहुत अधिक संख्या में हिन्दुओं का पलायन हुआ है। जहां हिन्दू हैं भी, उनका प्रतिशत बहुत कम है। आये दिन हिन्दू विरोधी घटनाएं होती रहती हैं। तो क्या, मेवात की पहचान हिन्दू विरोधी बननी चाहिए या फिर भगवान श्रीकृष्ण? प्रश्न सीधा है, पर उत्तर कठिन।

मेवात का सौहार्द बना रहे, यहां सभी मिलजुल कर रहे। 'हरियाणा एक, हरियाणवी एक' का भाव चरितार्थ हो। यहां का हिन्दू समाज अपने आप को अकेला व असहाय न समझे। हरियाणा का सारा समाज मेवात के साथ खड़ा है, इस बात को ध्यान में रखते हुए हर वर्ष इस यात्रा का आयोजन किया जाता है, जिसमें हजारों की संख्या में हरियाणा भर से लोग हिस्सा लेते हैं। इस बार शृंगार की कलश यात्रा में एक हजार महिलाओं ने भाग लिया, इस उत्साह व उमंग से भी इस यात्रा के प्रतिवर्ष बढ़ते महत्व को देखा जा सकता है। 31 जुलाई दिन को सुबह 11 बजे शिव मंदिर से जलाभिषेक किया गया। उसके बाद यात्रा ने शृंगार के लिए प्रस्थान किया तो दोपहर 1 बजे के करीब खेड़ला चौक के पास उग्र भीड़ ने यात्रा पर हमला कर दिया। तीन बजे तक उग्र भीड़ द्वारा नूंह व आसपास के इलाकों में आगजनी तथा तोड़फोड़ होने लगी। इसके बाद प्रशासन व कुछ सामाजिक संगठनों के आह्वान पर दुकानें बंद करवा दी गईं। शाम चार बजे तक इंटरनेट सेवाओं को बंद कर दिया गया। उसके पश्चात पास के जिलों से अतिरिक्त पुलिस बल आना शुरू हुआ। छह बजे के पास मंदिर परिसर में आश्रय लिए शिवभक्तों को पुलिस ने निकालना प्रारंभ किया। इस सारे घटनाक्रम में प्रशासन द्वारा की गयी तैयारियां संदेह के घेरे में आती है, या यूं कहें कि प्रशासन ने इस यात्रा को लेकर जिस गंभीरता के साथ तैयारी करनी चाहिए थी, वह नहीं की। वरना क्या कारण है कि पांच हजार लोगों की सुरक्षा में केवल सौ पुलिस कर्मी ही लगाए गए। यात्रा की सुरक्षा में लगे सुरक्षा कर्मियों की संख्या हमलावर तत्वों को देखते हुए कम सिद्ध हुई। हमले के वीडियो देखने पर ध्यान आता है कि हमले की तैयारियां बहुत दिनों से हो रही थी, फिर क्यों नहीं खुफिया विभाग को इसकी कानों कान खबर हुई। जिस प्रकार से उग्र भीड़ की तैयारी व मंसूबे थे, उसके कारण हालात और अधिक खराब हो सकते थे। जिस तरीके से तीर्थयात्रियों पर हमला हुआ है, उसमें महीनों की तैयारी का अंदेशा होता है। यह पूरी घटना पूर्व-नियोजित थी। अभी तक की प्राप्त जानकारी अनुसार 70 से अधिक निजी कारों व बसों को तोड़ा/जलाया गया हैं। दो होमगार्ड जवान और एक पानीपत के हिन्दू कार्यकर्ता के दुःखद बलिदान सहित अनेकों घायल हैं।

बड़ी संख्या में पत्थरों का एकत्र होना, अलग-अलग पॉइंट पर हमला करना, यह बिना पूर्व योजना के सम्भव नहीं है। सीआईडी के पास पूर्व में कुछ ऐसी सोशल मीडिया पोस्ट पहुंची थी, जिसमें इस प्रकार की कोई घटना हो सकती है, इसका अंदेशा था। इस बीच पाकिस्तान से इसका कनेक्शन भी सामने आया है। जबकि, इस ब्रजमंडल जलाभिषेक यात्रा की सूचना बहुत समय पहले से प्रशासन व स्थानीय पुलिस के पास थी, उसके बावजूद इस प्रकार की घटना से सुरक्षा में चूक हुई है, इस बात को किसी भी कारण से नकारा नहीं जा सकता।

एकजुट होने का समयः मेवात को उसकी पहचान भगवान श्रीकृष्ण की धरती के रूप में मिल सके। यहां पर भी शांति व अपनापन का भाव बने। यहां पर रहने वाले लोगों के मनों में डर नहीं, भरोसे का विश्वास पनपे, इसके लिए आज पूरे समाज को एक साथ खड़ा होना होगा और यह किसी एक समाज का दायित्व नहीं, सबकी साझी भूमिका है।

प्रस्तुति : डीके वत्स
(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

हिन्दी कविता

नमन

नमन है मातृभूमि पर
शहीद के गुमान को
जो लड़ मरा, झुका नहीं
नमन है उसकी शान को!

प्रणम्य है वो भाव जो
अभाव में ही गल गया
नमन हरेक ग्रंथ को
अंधेर में जो जल गया !

जो लेखनी लड़ी है नित
तिमिर-विनाश के लिए
नमन है उसके त्याग को
अथक प्रयास के लिए!

प्रणम्य है वो फूल जो कि
अधखिला ही झड़ गया
नमन है मृग-मृणाल को
जो सिंह से भी लड़ गया

है धन्य; ईंट नींव की
जो दब गयी स्वभाव से ,
मिटी है जो स्वधर्म में
परार्थ के प्रभाव से

विनम्र है प्रणाम उस
मनुज के स्वाभिमान को
जो भीख मांगता नहीं
नमन है उसके काम को

प्रणाम है पतंग की
परम, पुनीत चाह को
जो मर मिटा, रुका नहीं
नमन है उसकी आह को।

– ब्रजेश बृजवासी, बोकारो।

गवई बराज- भ्रष्टाचार की नहर

धांधली या विडंबना... जीर्णोद्धार में 150 करोड़ रुपए के खर्च और गुणवत्ता पर उठे सवाल, किसानों में मायूसी

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : चास, चंदनकियारी के किसानों के लिए फसलों की सिंचाई की उम्मीद पर पानी फिर गया। चास प्रखंड के पिंड्राजोरा से चंदनकियारी तक करीब 85 किलोमीटर गवई बराज की जिस नहर का जीर्णोद्धार हाल ही में किया गया था, दो-तीन दिन की बारिश में ही गवई बराज की ब्रांच कैनाल ध्वस्त हो गई। इसके साथ ही 150 करोड़ रुपए की लागत से हुए जीर्णोद्धार और इसकी गुणवत्ता पर सवालिया निशान खड़े हो गए हैं। बताया जाता है कि उच्च अधिकारियों का दल वहां पहुंचा भी था, परंतु ग्रामीणों की मानें तो अफसर बगैर जांच किए ही चले गए। इससे आसपास के किसानों में मायूसी है। स्थानीय किसानों का कहना है कि गवई बराज परियोजना का निर्माण के समय से अभी तक भ्रष्टाचार का शिकार बना है और किसान ठगे गए हैं। किसानों ने काम की गुणवत्ता की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। इस बावत तेनुघाट बांध प्रमंडल के एसडीओ मनोज बेदी का कहना है कि कार्य-स्थल की जांच के बाद ही वह कुछ बता पाएंगे। इसकी देख-रेख का काम संवेदक को करना है।

10 साल पहले तूफान में ध्वस्त हो गई थी नहर

सिलफोर और डाबर बहाल जोरिया के बीच गुजरी नहर में जीर्णोद्धार के बाद बीते 30 जून को बराज से पानी छोड़कर ट्रायल किया गया। इसके ब्रांच कैनाल में पानी नहीं छोड़ा गया था, लेकिन दो दिन हुई बारिश में ही ब्रांच नहर बह गई। जबकि, अभी अच्छी तरह से बारिश भी नहीं हुई। उल्लेखनीय है कि 12 अक्टूबर 2013 में आए फैलिन चक्रवातीय तूफान के कारण गवई बराज और मुख्य नहर टूट गई थी। इसके बाद इसके जीर्णोद्धार की मांग कई राजनीतिक पार्टी सहित सामाजिक संगठनों ने की थी। इसे देखते हुए सरकार ने गवई बराज डैम और दोनों नहर के अलावा अन्य 9 ब्रांच कैनाल का काम तेनुघाट बांध प्रमंडल की देख-रेख में 2018 से शुरू करवाया। काफी उतार-चढ़ाव के बाद 30 जुलाई 2023 को दोनों नहरों में पानी छोड़ा गया। इससे चास, चंदनकियारी के किसानों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी, लेकिन चार दिन बाद गुरुवार को सिलफोर और डाबर बहाल जोरिया के बीच गुजरी ब्रांच नहर टूट गई। जबकि, इस शाखा में डैम का पानी छोड़ा ही नहीं गया था। ब्रांच नहर बारिश का पानी भी झेल नहीं सकी।

54 गांवों की 4636 हेक्टेयर जमीन में सिंचाई की उम्मीद

योजना के तहत गवई नदी पर बने डैम व नहर का जीर्णोद्धार किया गया। चार दशक पहले बने गवई बराज में तकनीकी खामियों के कारण पूरी नहर में कभी पानी नहीं बहा था। 10-15 किमी तक पानी बहने के बाद नहर सूखी रहती थी। नहर के जीर्णोद्धार के बाद किसानों में उम्मीद जगी थी कि उनके खेतों को पानी मिलेगा। गवई बराज में दो नहर है, एक 44.4 लंबी और दूसरी 10.5 किमी लंबी। इसके अलावा दोनों नहरों से कई गांवों में निकली छोटी-छोटी नहरें करीब 30 किमी लंबी हैं। अगर यह नहर दुरुस्त होती है तो इसके पानी से चास और चंदनकियारी के लगभग 54 गांवों की 4636 हेक्टेयर जमीन में सिंचाई हो सकेगी। ग्रामीणों के अनुसार इस योजना की शुरुआत जून 2016 में हुई थी। इसे जून 2018 में पूरा करना था। इस योजना से चास प्रखंड के आमाडीह, ओबरा, पिंड्राजोरा, केलियाडाबर, टुपरा, अलगडीह, विश्वनाथडीह, तुरीडीह, पुंडरू, सीमाबाद सहित कई गांवों के किसानों सिंचाई की सुविधा मिलेगी। जबकि, चंदनकियारी प्रखंड के चंद्रा, चमराबाद, सुतरीबेड़ा, चंदनकियारी, गलगलटांड़, रांगामटिया होते हुए सिमुलिया तक के किसानों का लाभ होगा।

पहल कार्बन फुटप्रिंट में कमी लाने के लिए सेल ने जर्मनी के एसएमएस समूह के साथ किया समझौता

अब जर्मनी की मदद से पर्यावरण-मैत्री इस्पात-उत्पादन

संवाददाता

बोकारो : देश की महारत्न सार्वजनिक उपक्रम स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने सस्टेनेबल (टिकाऊ) इस्पात उत्पादन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जर्मनी की अग्रणी इंजीनियरिंग कंपनी एस.एम.एस. ग्रुप के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर सेल के रांची स्थित प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान (एम.टी.आई.) में किया गया। यह एम.ओ.यू. इस्पात उत्पादन के दीर्घकालिक बदलाव के लिए नवीन और टिकाऊ उपाय तलाशने की दिशा में सेल और एस.एम.एस. समूह के बीच एक संयुक्त प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इस सहयोग का प्राथमिक उद्देश्य सेल के एकीकृत इस्पात संयंत्रों में इस्पात निर्माण प्रक्रियाओं में बदलाव लाना, कार्बन उत्सर्जन को कम करने और पर्यावरण के अनुकूल प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने पर जोर देना है। साझा विशेषज्ञता और संसाधनों का लाभ उठाकर, सेल और एस.एम.एस. समूह पर्यावरण अनुकूल इस्पात उत्पादन का एक नया प्रतिमान स्थापित करने के प्रयासों का नेतृत्व करेंगे।

बोकारो स्टील प्लांट के संचार प्रमुख मणिकांत धान के अनुसार इस एम.ओ.यू. द्वारा किए गए सहयोगात्मक प्रयास स्टील निर्माण प्रक्रिया में डीकाबोर्नाइजेशन तकनीक को बढ़ावा देंगे और सेल के इस्पात संयंत्रों के भीतर कार्बन फुटप्रिंट को कम करने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे, जो 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन प्राप्त करने के भारत के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के साथ जुड़ा हुआ है।

इधर, सेल अध्यक्ष के साथ वार्ता में वेज रिवीजन को अंतिम रूप देने की मांग

हिन्द मजदूर सभा से संबद्ध स्टील मेटल एंड इंजीनियरिंग वर्कर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के महामंत्री सह- सदस्य एनजेसीएस संजय बढ़ावकर एवं स्टील मेटल एंड इंजीनियरिंग वर्कर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के कार्यकारी अध्यक्ष तथा क्रांतिकारी इस्पात मजदूर संघ के महामंत्री सह-सदस्य एनजेसीएस राजेंद्र सिंह ने स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के अध्यक्ष अमरेंदु प्रकाश से दिल्ली स्थित कार्यालय पर मजदूरों के विभिन्न समस्याओं के मद्देनजर वार्ता की। यूनियन की ओक से बताया गया कि वार्ता के दौरान सेल अध्यक्ष को एनजेसीएस की बैठक अविलंब बुलाकर मजदूरों के लंबित मामले, जैसे 39 माह का बकाया एरियर, नाइट शिफ्ट एलाउंस तथा ठेका मजदूरों के वेज रिवीजन को अंतिम रूप देने की मांग की गई। सेल अध्यक्ष ने भी सकारात्मक रुख दिखाते हुए वार्ता में शामिल निदेशक कार्मिक के के सिंह को गाइडलाइन देते हुए निर्देश दिया कि जल्द से जल्द एनजेसीएस की बैठक बुलाकर सभी मामले का निपटारा करें। तत्पश्चात निदेशक कार्मिक कार्यालय पर बैठक हुई, जिसमें सेल की ओर से निदेशक कार्मिक के अलावे अधिशासी निदेशक कार्मिक बी एस पोपली, मानस रथ एवं उप्पल शामिल रहे। यहां भी सभी अधिकारियों ने यूनियन की मांग पर सहमति जताते हुए जल्द ही एनजेसीएस की बैठक बुलाकर सभी लंबित मामलों को सुलझाने की बात कही।

शोक में व्यवसाय जगत

दिलीप अग्रवाल के असामयिक निधन पर व्यवसायियों ने जताई गहरी संवेदना

संवाददाता

बोकारो : बोकारो चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के सक्रिय सदस्य एवं पूर्व उपाध्यक्ष दिलीप अग्रवाल के आकस्मिक निधन पर चेंबर ने शोक जताया है। चेंबर अध्यक्ष प्रदीप सिंह ने कहा कि अपनी कर्मठता और और लगनशीलता से वे बोकारो के सफल व्यवसायियों में शुमार थे। चैंबर के सरंक्षक संजय बैद ने दिलीप अग्रवाल के निधन पर गहरा दुख जताते हुए उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

चेंबर के पूर्व अध्यक्ष मनोज चौधरी ने कहा कि बोकारो ने एक होनहार व्यवसायी को खो दिया है। गरगा घाट पर उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। अंतिम संस्कार में सैकड़ों की संख्या में शहर के गणमान्य लोग उपस्थित थे। शोक व्यक्त करने वालों में मदन जैन, विनीत सेठ, मनोज सिंह, सुभाष जैन, विपिन सिंह, दीपक गुप्ता, सुरेश अग्रवाल, पवन केजरीवाल, मदन डागा, नितिन खंडेलवाल, उमेश जैन, प्रशांत कुमार, विनय सिंह, डॉ रतन केजरीवाल, सिद्धार्थ सिंह माना, प्रकाश कोठारी, प्रवीण जैन, शशि भूषण, ज्योति प्रकाश द्विवेदी, कमल जैन, संजय बिहानी, मनोज केजरीवाल, शशांक अग्रवाल, कानू कुंडलिया, रंजीत बरनवाल, सतीश जैन सहित अनेकों लोगों ने अपने संवेदना व्यक्त की। उधर, रोटरी क्लब चास ने भी अपने संस्थापक सदस्य दिलीप अग्रवाल के निधन पर गहरा शोक जताते हुए उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। अध्यक्ष पूजा बैद, सचिव डिंपल कोर, नरेंद्र सिंह, संजय बैद, अरुण लोधा, राजकुमार पोद्दार, नितेश मिश्रा, मनोज सिंह, मनोज चौधरी, संजय रस्तोगी, कुमार अमरदीप, बिनोद चोपड़ा, विपिन अग्रवाल, बिनय सिंह, शशांक अग्रवाल सहित अनेक सदस्यों ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की।

कहां गये डालमिया भारत द्वारा लगाए गए 50 लाख रुपये के सीसीटीवी कैमरे ?

आपराधिक घटनाओं का खुलासा अब ज्यादा चुनौतीपूर्ण

संवाददाता

बोकारो : बोकारो के तीन थाना क्षेत्रों में डालमिया भारत सीमेंट द्वारा लगाये गए लगभग 50 लाख रुपये के सीसीटीवी कैमरे गायब हो चुके हैं। इसके कारण इन क्षेत्रों में लोहा-कोयला चोरी की घटनाओं का खुलासा चुनौती बन चुका है। हाल ही में जामा विधायक सीता सोरेन के बालीडीह थाना क्षेत्र स्थित आहाते से हुई हजारों रुपये मूल्य के सरिया चोरी की घटना का उद्भेदन आखिर स्थानीय पुलिस कैसे कर पाएगी, इस पर प्रश्न-चिन्ह खड़ा हो गया है।

दरअसल, बोकारो औद्योगिक क्षेत्र स्थित डालमिया भारत सीमेंट ने पुलिस-प्रशासन को सहयोग देने के ख्याल से अपने निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) मद के तहत बोकारो के तीन थाना क्षेत्रों- क्रमशः बालीडीह, बालीडीह ओपी तथा माराफारी थाना क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरे लगवाये थे। ये कैमरे तांतरी और तुपकाडीह के अलावा बालीडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत राष्ट्रीय उच्च पथ के किनारे स्कूल बालीडीह से लेकर रेलवे गुड्स साइडिंग (रेलवे फाटक, बनसिमली मोड़) तक, सिवनडीह पूरा अन्दर तक (आजाद मैदान से लेकर बाएं-दाएं झोपड़पट्टी, कॉलोनी, बोकारो स्टील प्लांट के मनसा सिंह गेट (पुराने बॉम्बे मार्केट) आदि जगहों पर लगवाये गये थे। डालमिया भारत ने लगभग 50 लाख रुपये की लागत से ये सीसीटीवी कैमरे बालीडीह, बालीडीह ओपी तथा माराफारी थाना क्षेत्रों में लगवाये गए थे। इसके साथ ही सभी सीसीटीवी के डिस्प्ले बोर्ड संबंधित थानों में लगाये गये, ताकि पुलिस कभी भी सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल सके। लेकिन, राष्ट्रीय उच्च पथ के किनारे और कई महत्वपूर्ण जगहों पर लगे कैमरे खोल लिये गये या फिर चुरा लिये गये। जानकारों के अनुसार राष्ट्रीय उच्च पथ के किनारे लगे सारे सीसीटीवी कैमरे आज गायब बताये जाते हैं।

डीसी की बैठक में उठे थे सवाल

इस संबंध में पूछने पर डालमिया सीमेंट के एक अधिकारी ने बताया कि सीसीटीवी कैमरों के गायब होने की शिकायत तत्कालीन उपायुक्त के साथ समय-समय पर होने वाली एक बैठक में की गई थी और कहा गया था कि डालमिया सीमेंट ने जनहित के कार्य के लिए जो सुविधा उपलब्ध कराई है, उसकी रक्षा की जाय। तत्कालीन डीसी ने इस मामले को गंभीरता से लिया था। अगली बैठक में डीसी ने खुद इस बात का उल्लेख करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये जाने की बात भी कही थी। बालीडीह तथा आसपास के लोगों का इस बारे में कहना है कि लोहा-कोयला चोरी की घटनाएं पकड़ में न आये, इसलिए सीसीटीवी कैमरों को या तो खोल लिया गया या उसकी चोरी कर ली गई। जानकारों की मानें तो डालमिया सीमेंट ने बालीडीह तथा बालीडीह ओपी थाना क्षेत्र में ये कैमरे वर्ष 2019-20 में और माराफारी थाना क्षेत्र में 2021-22 में लगवाये थे। पुलिस को इसका फायदा भी हुआ था, क्योंकि रेलवे फाटक के पास एक पिकअप वैन के पटलने की पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई थी। लेकिन, डालमिया भारत ने जिस उद्देश्य से अपने सीएसआर मद से 50 लाख रुपये खर्च किये थे, सब पर पानी फिर गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार सारे कैमरे खराब हो गए, उसके बाद उन्हें फिर दुरुस्त नहीं किया जा सका।

बच्चों को शारीरिक व मानसिक दंड देना अपराध : डॉ. प्रभाकर

बोकारो : कथारा ओपी थानांतर्गत, राजकीय उत्क्रमित उर्दू मध्य विद्यालय, झिरकी मे बाल अधिकार कार्यकर्ता सह मनोवैज्ञानिक शिक्षाविद डॉ प्रभाकर कुमार द्वारा बाल अधिकारों व कानून को परिभाषित करते हुए बाल अधिकार सरंक्षण जागरूकता अभियान चलाया गया। बच्चों संग विद्यालय प्रबंधन की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. प्रभाकर ने कहा कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के तहत 06 से 14 वर्ष की आयु के प्रत्येक बच्चे को निःशुल्क प्रारंभिक शिक्षा प्रदान करनी है। अधिनियम में बच्चे के उत्पीड़न व भेदभाव के खिलाफ शून्य सहिष्णुता का प्रावधान है। विद्यालयों मे बच्चों के साथ किसी भी तरह का शारीरिक दंड, मानसिक प्रताड़ना व भेदभाव दंडनीय अपराध है। बच्चों के प्रति की गयी क्रूरता के लिए दंड का प्रावधान भी है। उन्होंने कहा कि विद्यालयों मे बच्चों के साथ मारपीट या डांटने की बजाय प्यार से समझाये जाने की जरूरत है। उन्हें इस तरह से शिक्षा दी जाय कि वे अनुशासन के महत्व को समझें एवं स्वयं ही खुद को अनुशासित रख सकें। बच्चों संग मनोवैज्ञानिक रूप से समन्वय बनाने की आवश्यकता है। मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक मो. शाहनवाज अंसारी, शिक्षक अमित नंदन, रिजवान अंसारी, मुमताज बानो, शमशा खातून, हसनैन अख्तर, इसराफिल, थानू रविदास, अताउल्लाह अंसारी, युगल प्रसाद यादव आदि मौजूद रहे।

आह्वान डीवीसी कर्मचारी संघ की नई कार्यकारिणी गठित, क्षेत्र के विकास पर बल

चंद्रपुरा में नए पावर प्लांट को लेकर सभी का सकारात्मक सहयोग जरूरी : पांडेय

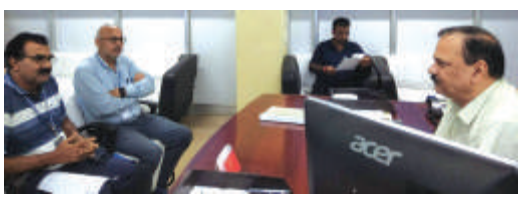

संवाददाता

बोकारो : डीवीसी कर्मचारी संघ (इंटक) के पूर्व सचिव मनोज कुमार झा की पदोन्नति हो जाने के बाद उन्होंने डीवीसी कर्मचारी संघ (इंटक) के चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र की इकाई के सचिव पद से इस्तीफा दे दिया है। श्री झा के इस्तीफा दिए जाने के बाद डीवीसी कर्मचारी संघ के केंद्रीय महासचिव सुब्रतो मिश्रा ने उमेश कुमार शर्मा को संघ की चंद्रपुरा इकाई का नया सचिव मनोनीत करते हुए कर्मचारी संघ की नई कमेटी गठित की है।

संघ के महासचिव सुब्रतो मिश्रा ने चंद्रपुरा इकाई संघ के अध्यक्ष पद पर कविंद्र नाथ सिंह, उपाध्यक्ष मोतीलाल सिंह, कुलजीत कुमार, संयुक्त सचिव सहदेव सिंह, भूपेंद्र सिंह, संगठन सचिव अमरेंद्र कुमार सिंह, रामप्रवेश सिंह, रफी अनवर अंसारी, सहायक सचिव उमाशंकर प्रसाद, पतिलाल सिंह, रेखा शर्मा, प्रदीप कुमार, कोषाध्यक्ष रवि रंजन सिंह के अलावा 37 कार्यकारिणी सदस्यों का मनोनयन किया है।

इस बैठक में सचिव उमेश कुमार शर्मा, अक्षय कुमार, रवि रंजन सिंह, अमरेंद्र कुमार, रवि रंजन सिंह, रामप्रवेश कुमार, शिव शंकर मांझी आदि उपस्थित थे। कार्यकारिणी गठन के बाद संघ के सभी अधिकारियों ने यहां के मुख्य महाप्रबंधक और परियोजना प्रधान से शिष्टाचार मुलाकात कर संघ की गतिविधियों की जानकारी दी।

इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक और परियोजना प्रधान सुनील कुमार पांडेय ने कहा कि यूनियन के कार्यकर्ता और संस्थान के प्रबंधन बिजली उत्पादन और डीवीसी के उत्थान में एक दूसरे के पूरक साबित होते रहे हैं। उन्होंने कहा कि चंद्रपुरा क्षेत्र के विकास के लिए यहां नया प्लांट लगाना अति आवश्यक है। इसके लिए प्रबंधन गंभीर है। इसमें सभी का सकारात्मक सहयोग आवश्यक है। मौके पर उप महाप्रबंधक (प्रशासन) टीटी दास भी मौजूद थे।

हफ्ते की हलचल

चास रोटरी ने जरूरतमंदों के बीच किया छाता वितरण

बोकारो : चास रोटरी क्लब द्वारा चास के मेन रोड पर बैठने वाले जरूरतमंद सब्जी बेचने वालों के बीच 80 छाता का वितरण किया गया। चास रोटरी क्लब की अध्यक्ष पूजा बैद ने कहा कि सब्जी विक्रेताओं को छाता मिलने से धूप एवं बारिश से उनका बचाव होगा और उन्हें राहत मिलेगी। कार्यक्रम की संयोजिका शैल रस्तोगी, कल्याणी गुप्ता एवं श्वेता रस्तोगी ने संयुक्त रूप से कहा कि रोटरी जरूरतमंदों के साथ खुशियां बांटकर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास कर रही है। पूर्व अध्यक्ष विनय सिंह ने कहा कि बरसात के मौसम में सब्जी विक्रेताओं को छाता देना ठीक वैसे ही है, जैसा गर्मी में पानी पिलाना। चास रोटरी की सचिव डिंपल कौर ने कहा कि चास रोटरी क्लब सामाजिक दायित्व के प्रति सदैव सजग रही है और समाज के कमजोर वर्ग को लाभान्वित करती रही है। इस बरसात के मौसम में यह दूसरी बार है, जब चास रोटरी क्लब ने जरूरतमंदों के बीच छाता का निःशुल्क वितरण किया है। कार्यक्रम को सफल बनाने में विनोद चोपड़ा, मंजीत सिंह, नरेंद्र सिंह, कुमार अमरदीप, हरबंस सिंह, डॉ पुष्पा, माधुरी सिंह, पूनम अग्रवाल, अर्चना सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

अग्रवाल महासभा अध्यक्ष ने सीएम को सौंपा ज्ञापन

बोकारो : अखिल भारतीय अग्रवाल कल्याण महासभा के अध्यक्ष सह- झामुमो नेता अनिल अग्रवाल ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलकर उन्हें अग्रवाल समाज के लोगों को जाति प्रमाण पत्र बनाने में आ रही दिक्कतों से अवगत कराते हुए एक ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि अग्रहरि वैश्य समाज, जो खतियानी रैयत 1932 के पहले से हैं, प्रक्रिया त्रुटि होने के कारण पिछले कुछ वर्षों से अग्रवाल समाज का जाति प्रमाण पत्र नहीं बन पा रहा है, जिससे समाज के लोगों को काफी परेशानी हो रही है। झारखंड में लगभग नौ लाख से अधिक संख्या में अग्रवाल समाज के लोग झारखंड निवास करते आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि अग्रवाल श्री श्री अग्रसेन जी महाराज के वंशज हैं। इसमें कुल 18 गोत्र हैं। जाति प्रमाण पत्र नहीं बनने से समाज के लोगों को शिक्षा, नौकरी एवं छात्रवृत्ति से भी वंचित होना पड़ रहा है। उन्होंने इस संबंध में मुख्यमंत्री से जल्द से जल्द प्रक्रिया में सुधार किया जाए, ताकि अग्रवाल समाज का जाति प्रमाण पत्र बन सके। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में त्वरित कार्यवाही का भरोसा दिया।

किसानों के लिए प्रखंड स्तरीय कार्यशाला आयोजित

गोमिया : गोमिया प्रखण्ड कार्यालय के समीप कृषि सिंगल विंडो सेंटर में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखंड सरकार (कृषि प्रभाग) के तहत एक दिवसीय प्रखण्ड स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। इसकी अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी कपिल कुमार महतो ने की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि किसानों के लिए कृषि विभाग के द्वारा कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं और किसानों को भिन्न भिन्न तरीके से कृषि उपज की जानकारी तथा कौन सी फसल की बुआई तथा कटाई कब करनी है, इसकी भी जानकारी दी जाती है। उन्होंने कहा कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य किसानों को जागरूक करना है, ताकि किसान नई तकनीक से कृषि कर सकें और अपनी आय में वृद्धि कर सकें। आत्मा के जिला उप परियोजना निदेशक राजन मिश्रा ने विभिन्न किस्म की फसलों को कीड़े- मकोड़ों से बचाने कीटनाशक दवाओं का छिड़काव, माइक्रो इरिगेशन से खेती करने, किसानों के हित में सरकार के द्वारा संचालित योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। मौके पर प्रभारी प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी अमरदीप महतो, मुखिया तेजलाल महतो, रामवृक्ष मुर्मू, पंचायत समिति सदस्य सुशीला देवी, धनेश्वरी देवी, गौसिया नूरी, दुलारी देवी, यशवंत कुमार, गोमिया व्यापार मण्डल अध्यक्ष रणविजय सिंह, समाजसेवी उपेंद्र प्रसाद, जनसेवक फूलचंद करमाली, कृषि मित्र जनकदेव यादव, मेहीलाल गोप, हरिनारायण प्रजापति, रतिराम मांझी, प्रकाश यादव, मो कुद्दुस सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

चिन्मय विद्यालय में छात्र परिषद के सदस्यों का चयन

बोकारो : चिन्मय विद्यालय बोकारो में सत्र 2023-24 के लिए छात्र परिषद के सदस्यों का गठन किया गया। विशेष प्रार्थना सभा में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिश्वरूप मुखोपाध्याय, अध्यक्ष चिन्मय विद्यालय, प्राचार्य सूरज शर्मा ने सभी छात्रों को बैज एवं सेस पहनाकर सम्मानित किया। अध्यक्ष बिश्वरूप मुखोपाध्याय ने अपने संबोधन में बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विद्यालय में छात्र जीवन से ही बच्चों में नेतृत्व की भावना आनी चाहिए। छात्र परिषद के सदस्यों में रजत ऋत्विक हेड बॉय, शुभांगी नारायण हेड गर्ल चुने गए। इसके अलावा विभिन्न विभागों का दायित्व अलग-अलग छात्र-छात्राओं को दिया गया। कार्यक्रम का संचालन ग्यारहवीं की लावन्या, अनुश्री एवं तन्मय ने सफलतापूर्वक किया।

झारखंड में पत्रकार सुरक्षा कानून जल्द

संवाददाता

रांची : झारखंड में पत्रकार सुरक्षा कानून जल्द लागू होने की उम्मीद है। इसे लेकर राज्य सरकार की ओर से सकारात्मक आश्वासन दिया गया है। भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ की झारखंड राज्य इकाई झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन द्वारा झारखंड विधानसभा के समक्ष पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने के लिए दोदिवसीय धरना का आह्वान संगठन के संस्थापक सह राष्ट्रीय महासचिव शाहनवाज हसन द्वारा किया गया था। इसमें बड़ी संख्या में पत्रकारवृंद शामिल हुए। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ओर से भेजे गए प्रतिनिधि मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने कहा कि राज्य में पत्रकार सुरक्षा कानून जल्द लागू होगा। पत्रकार सुरक्षा से संबंधित पत्रकारों की सभी मांगें शीघ्र पूरी की जायेंगी। मुख्यमंत्री से मिले आश्वासन के बाद धरना समाप्त किया गया। ज्ञात हो कि पिछले एक दशक में झारखंड में 5 पत्रकारों की हत्याएं हुई हैं जब कि 39 से अधिक पत्रकारों पर मुकदमा दर्ज किए गए हैं। जेजेए अपनी स्थापनाकाल से ही पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग लगातार करता आया है। धरना में धरना में रांची, हजारीबाग, चतरा,पलामू लातेहार, कोडरमा, गिरिडीह सहित अन्य जिलों से बड़ी संख्या में एसोसिएशन से जुड़े पत्रकार शामिल हुए। एसोसिएशन की ओर से झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष अमरकांत, प्रदेश महासचिव सिया राम शरण वर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष कुमार कौशलेंद्र एवं नवल किशोर सिंह ने छत्तीसगढ़ की तर्ज पर झारखंड में भी पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग झारखंड सरकार के मंत्री मिथिलेश ठाकुर, भाजपा सचेतक विधायक बिरंची नारायण, विधायक अनंत ओझा, कांग्रेस विधायक उमा शंकर अकेला, कांग्रेस विधायक इरफान अंसारी, विधायक अंबा प्रसाद एवं भाजपा विधायक मनीष जयसवाल के समक्ष रखा।

भाजपा सचेतक विधायक बिरंची नारायण पत्रकारों के धरना में शामिल होकर मांगों का समर्थन करते हुए कहा कि झारखंड विधानसभा में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग को सदन में दो बार उठाया है इसे लेकर वर्तमान सरकार गंभीर नहीं है। भाजपा विधायक अनंत ओझा ने कहा पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर वे विधान सभा में पुनः आवाज बुलंद करेंगे। वह पत्रकारों और संगठन के साथ सदैव मजबूती से खड़े रहेंगे। बरही से कांग्रेस विधायक उमा शंकर अकेला ने कहा, चौथे स्तंभ की सुरक्षा के लिए पत्रकार सुरक्षा कानून जरूरी है। बड़कागांव से कांग्रेस विधायक अंबा प्रसाद, हजारीबाग सदर से भाजपा विधायक मनीष जायसवाल ने भी पत्रकार सुरक्षा का समर्थन किया।

ज्ञात हो कि धरना की सूचना विधानसभा सत्र के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को मिली। मुख्यमंत्री ने धरना को गंभीरता से लेते हुए तत्काल राज्य के मंत्री मिथिलेश ठाकुर के साथ सत्ता पक्ष के विधायक डॉ इरफान अंसारी और अंबा प्रसाद धरना को धरना स्थल पर भेजा। सत्ता पक्ष के लोगों ने धरनास्थल पर पहुंचकर मुख्यमंत्री का संदेश पत्रकारों को दिया। बताया कि मुख्यमंत्री ने कहा है कि झारखंड में पत्रकार सुरक्षा कानून जल्द लागू किया जायेगा। इसके साथ ही पत्रकारों की अन्य मांगों को राज्य सरकार की ओर से शीघ्र पूरा किया जायेगा। जेजेए के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष अमरकांत ने विस्तार से बताया कि किन हालात में पत्रकार सुरक्षा कानून की जरूरत पड़ी है। उन्होंने कहा कि आये दिन पत्रकारों को भी धमकियों व हमलों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में पत्रकार सुरक्षा कानून का लागू होना बहुत जरूरी है, ताकि कभी ऐसी घटनाएं हों, तो उसकी समुचित तरीके से जांच हो और पत्रकारों को न्याय मिल सके।

जेजेए की बोकारो इकाई की समन्वय समिति गठित

बोकारो : भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ (बीएसपीएस) की राज्य इकाई झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन (जेजेए) की बैठक रविवार को बोकरो इस्पात नगर के सेक्टर-4, सिटी सेन्टर स्थित होटल हिलटॉप के सभागार में विजय कुमार झा की अध्यक्षता में हुई, जिसमें संगठन की बोकारो जिला इकाई की समन्वय समिति का गठन किया गया। बैठक में संगठन के राष्ट्रीय महासचिव शाहनवाज हसन एवं प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष अमर कान्त मुख्य रूप से उपस्थित थे। बैठक में सर्वसम्मति से जिला कमेटी के गठन के लिए पांच सदस्यीय समन्वय समिति बनाई गई। समन्वय समिति को यह दायित्व सौंपा गया कि वह बोकारो जिला कमेटी का विधिवत गठन सर्वसम्मति से यथाशीघ्र कर प्रदेश कमेटी को सूचित करे। समन्वय समिति के संयोजक विजय कुमार झा तथा सदस्य अशोक विश्वकर्मा, आशीष कुमार सिन्हा, मृत्युंजय मिश्रा एवं विनय कुमार तिवारी बनाये गये। बैठक में संगठन को मजबूत करते पत्रकार हितों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में शाहनवाज हसन और अमर कान्त के अलावा विजय कुमार झा, अशोक विश्वकर्मा, आशीष सिन्हा, मृत्युंजय मिश्रा, विनय कुमार तिवारी, नीरज सिंह, हरेराम भारती, रिपुसूदन पाठक, अफरोज राणा, रवि कुमार वर्मा, राजेश कुमार वर्मा, किंकर, मनोज शर्मा, कौस्तुभ कुमार मलयज, नरेश कुमार आदि उपस्थित थे।

रामगढ़ छावनी में 700 से अधिक अग्निवीरों ने ली देश सेवा की शपथ

संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ छावनी क्षेत्र शनिवार को ऐतिहासिक दिन रहा, जब यहां के पंजाब एवं सिख रेजिमेंटल सेक्टर में प्रशिक्षित 700 से अधिक अग्निवीरों ने देश सेवा की शपथ ली। कार्यक्रम में पंजाब रेजिमेंटल सेंटर के प्रथम अग्निवीर बैच के 184 अग्निवीर रिक्रुट्स शामिल हुए, जिन्होंने किलाहरी ड्रील स्क्वायर में देश सेवा की शपथ ली। जबकि, सिख रेजीमेंट के प्रतिष्ठित हरबख्श ड्रिल स्क्वायर पर 520 अग्निवीर रिक्रुट्स पासिंग आउट परेड में शामिल हुए। उनके 31 सप्ताह के कठिन शारीरिक और मानसिक प्रशिक्षण के समापन पर पासिंग आउट परेड आयोजित की गई। पीपीआरसी और एसआरसी में अलग-अलग परेड आयोजित हुए। परेड में शामिल अग्नि वीरों ने शानदार परेड का प्रदर्शन किया। नव प्रशिक्षित जवानों ने पवित्र श्रीमद्भागवत गीता और गुरु ग्रंथ साहिब को साक्षी मानकर राष्ट्रीय ध्वज के समक्ष अंतिम दम तक देश व रेजीमेंट के लिए सेवा की शपथ ली। इस दौरान पंजाब रेजिमेंटल सेंटर के कमांडेंट ब्रिगेडियर संजय चन्द्र काण्डपाल ने परेड की समीक्षा की। कमांडेंट ने अग्निवीरों को भारतीय सेना में शामिल होने पर बधाई दी। साथ ही, भविष्य में आने वाली चुनौतियों से सामना करने के लिए उन्हें प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आप सभी को देश की सेवा के लिए एक बेहतर मौका मिला है, जो अपने आप में गौरव की बात है। उन्होंने अग्नि वीरों में देश की सेवा और समर्पण को लेकर नए उत्साह की प्रशंसा की। कार्यक्रम में प्रशिक्षकों और अग्निवीरों के माता-पिता ने भी शामिल हुए। ये युवा सैनिक अब राष्ट्र की सेवा के लिए रेजीमेंट की विभिन्न इकाइयों में तैनात होंगे। पहचान और प्रशंसा के प्रतीक के रूप में सभी के माता-पिता को पारंपरिक गौरव पदक दिया गया, जिन्होंने अपने बच्चों को देश की सेवा करने की अनुमति दी।

दूसरी ओर, सिख रेजिमेंटल सेंटर में अग्निवीरों के पहले बैच की उत्कृष्ट पासिंग आउट परेड का समापन हुआ, जिन्होंने रेजिमेंटल सेंटर में अपना कठोर प्रशिक्षण पूरा कर लिया है। ये अग्निवीर अब मजबूत और कुशल सैनिक बन गए हैं, जो साहस, समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ देश की सेवा करने के लिए तैयार हैं।

रामगढ़ से भी बने अग्निवीर

पंजाब रेजिमेंटल सेंटर में आयोजित कसम परेड में रामगढ़ के भी जवान शामिल रहे। इस दौरान उनके माता-पिता भी उपस्थित थे। अपने बेटों के परेड देखकर माता-पिता भी उत्साहित होते रहे। उन्होंने गर्व महसूस करते हुए कहा कि अब हमारा बेटा भी भारत का सपूत कहलाएगा। अग्नि वीरों में रामगढ़ के विद्याभूषण, सुशांत पुरी, पिंटू कुमार कोडरमा, अर्शदीप सिंह, बलविंदर सिंह पंजाब के परिजन माता पिता का परेड अवलोकन करने पहुंचे।

अब मिथिला में भी वर्ल्ड क्लास का होगा रेल-सफर, दरभंगा, सीतामढ़ी स्टेशनों का होगा कायाकल्प

मिथिला डायरी

सीतामढ़ी/दरभंगा : मिथिलांचल में भी अब वर्ल्ड-क्लास के रेलसफर का आनंद यात्री ले सकेंगे। दरभंगा, सीतामढ़ी और सकरी के स्टेशनों का कायाकल्प होगा। कई अत्याधुनिक संसाधनों के साथ-साथ यात्रियों की सुविधाओं के लिए कई नए उपाय किए जाएंगे, जिससे रेलवे का सफर सुखद हो सकेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के मध्यम से अमृत स्टेशन योजना के तहत देश के 508 रेलवे स्टेशन नवविकाश की आधारशिला रखी। इस योजना के तहत राज्य के 49 स्टेशन में सीतामढ़ी सहित समस्तीपुर मंडल के 12 स्टेशन शामिल हैं। सीतामढ़ी के पुनर्विकास हेतु रेलवे ने 242 रुपए करोड़ स्वीकृत कर जारी भी कर दिए हैं। उल्लेखनीय हैं कि सीतामढ़ी स्टेशन पर कार्य शुरू भी किया जा चुका हैं। रेलवे द्वारा जारी नक्शे के अनुसार अत्याधुनिक सुविधाओं सहित स्टेशन के प्रस्तवित नया भवन मंदिर के गुंबज के आकार का होगा, जिसमे तीन गुंबज होंगे। स्टेशन पर यात्रियों को 15 प्रकार की विश्वस्तरीय पुनर्विकास सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। इसके बाद माता जानकी की उद्भव-स्थली सीतामढ़ी में पर्यटकों का रुझान अत्यधिक बढ़ जाने की संभावना बताई जा रही हैं। दरभंगा एवं सकरी स्टेशन का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली से ऑनलाइन रिमोट का बटन दबाकर शिलान्यास किया। दरभंगा जंक्शन के एक नंबर प्लेटफार्म पर आयोजित समारोह में सांसद गोपालजी ठाकुर ने कहा कि आगामी 50 वर्षों के लिए ध्यान में रखते हुए स्टेशन विश्वस्तरीय बनेगा। नगर विधायक संजय सरावगी ने मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनाई। बताया कि अब म्यूजियम गुमटी के उस पार की 40,000 की आबादी को म्यूजियम गुमटी पर फ्लाईओवर का लाभ मिलेगा और जाम से निजात मिलेगी।

शिवानन्द में भींगने का काल है श्रावण मास - जानिए शिव जलाभिषेक रहस्य

गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली

शिव देवता, मनुष्य, पशु तीनों के हैं। इच्छाएं भी इन तीनों में हैं तथा इन्हें पूर्ण सदाशिव करते हैं। सदा शांत रहने वाले सदाशिव अपनी संतान को श्रावण मास में संतोष का अध्याय देते हैं। हालांकि, शुरूआत इच्छापूर्ति से है, परंतु उद्देश्य इच्छाओं को लांघकर ऊपर उठना है, आसक्तियों को काटकर स्वतंत्र हो जाना है। साधारण शब्दों में शिव इस जगत के प्रथम पुरुष हैं तथा पार्वती जगत की प्रथम स्त्री। हम सब पुरुष एवं स्त्री शिव एवं पार्वती की संतान हैं। शिव का पूजन परमपिता परमेश्वर का पूजन है तथा श्रावण का मास शिव को अपनी इच्छाएं सुनाने का मास है। शिव अपनी संतानों की इच्छाओं को सुनते हैं तथा उन पर 'तथास्तु' की मुहर लगाते हैं।

इच्छाएं जीवन का आवश्यक अंग है। यदि हम इच्छा नहीं कर रहे तो कहीं ना कहीं हम में कोई कमी है। बचपन में हमें खिलौनों की इच्छा होती है, बड़े होने पर धन की, प्रेम की इच्छा होती है। हमारे विकास के साथ-साथ इच्छाएं बदलती रहती हैं। इच्छाएं इस संसार को चला रही हैं। बिना इच्छा का व्यक्ति निष्क्रिय है। शिव के पास हम अपनी इच्छाएं निवेदित करके उनसे प्रार्थना करते हैं कि वे हमारी इच्छाओं को पूर्ण करें। शिव कृपा से इच्छापूर्ति के उपरांत हम संतोष की अनुभूति कर पाते हैं। लेकिन, शिव को इच्छापूर्ति की बैसाखी नहीं चाहिए। क्योंकि, शिव इच्छा नहीं करते हैं। शिव आत्म संतुष्ट हैं और अपनी संतानों की इच्छा पूर्ति करके उन्हें संतोष का आशीष देते हैं, जिससे वह शांति की अनुभूति कर सकें, उनकी आसक्ति में विराम लग जाए।

इसमें कोई दो राय नहीं कि सकल मानवता बेचैन है। उसकी आसक्तियां, अपूर्ण इच्छाएं उसका दम घोंट रही हैं। कभी धूम्रपान, कभी नशा करके वह अपने खुमार में सब भूलना चाह रहा है, लेकिन मन है कि उसे भूलने देता नहीं है, बार-बार याद दिलाता है। याद क्या दिलाता है, वह तो वहां अटक जाता है।

हम सब आसक्ति से भली-भांति परिचित हैं। वह हमें दिन-रात पीड़ित कर रही है। आसक्ति इच्छा का अनियंत्रित रूप है, इसे उन्माद या ज्वर कह सकते हैं, जहां किसी वस्तु, पदवी, महत्वाकांक्षा की चाह हमारे सिर पर उन्माद की तरह चढ़ जाती है और उसकी अग्नि में हमारा सुख-चैन भस्म होने लगता है।

मस्तिष्क पर बुखार चढ़ जाए तो जल का फाहा डालकर उसे शीतल किया जाता है। शिवलिंग का अभिषेक प्रतीक रूप में इच्छाओं की अपूर्ति के कारण तप रहे मस्तिष्क पर जल का ठंडा फाहा डालना है और शिवलिंग का अभिषेक करने से साधक की इच्छाएं पूर्ण हो जाती हैं। शिव प्रदाता स्वरूप हैं। शिव सहजता से प्रदान कर देते हैं। देवता शब्द का वास्तविक रूप शिव ही हैं और कल्याणकारी 'तथास्तु' तो शिव से ही प्राप्त हो सकता है।

यह भी एक विचित्र विडंबना है कि जो सबको दे रहे हैं, वे स्वयं बाघम्बर पहनते हैं, क्योंकि शिव परिभाषाओं की परिधियों से ऊपर उठ गए हैं। उन्होंने अहंकार का अतिक्रमण कर दिया है तथा ऊर्जा के उन्मुक्त स्थिति के चरमोत्कर्ष पर हैं। मनुष्य शरीर में ऊर्जा पूर्णतया उन्मुक्त होती है, जब वह सहस्त्रार में प्रवेश करती है।

कुण्डलिनी के सात चक्रों में सहस्त्रार शिव का स्थान है। प्रारंभिक चक्र मूलाधार है, जहां से कुण्डलिनी अपनी यात्रा शुरू करती है। मूलाधार शक्ति स्थल है, इच्छाओं का उद्गम स्थल है। मूलाधार से कमल की पंखुड़ियां चार हैं। जीवन के चार पड़ाव- धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष का इसे प्रतीक माना जा सकता है। इसे वह चौरास्ता भी मान सकते हैं, जहां से जीवन जिस दिशा में चाहे, वहां जा सकता है।

मूलाधार से प्रारंभ यह यात्रा सहस्त्रार में पूर्ण होती है। सहस्त्र का अर्थ हजार है, वहां पर हजार दलों का कमल खिला हुआ है, सहस्त्रार परमानन्द की स्थिति है, जीवन मुक्त। कुण्डलिनी के सर्प का ऊपर की ओर बढ़ना मन की इच्छाओं की परिधि से आगे निकलना है। हमारी आंतरिक ऊर्जा का रिलीज होना है।

यह ऊर्जा जब सहस्त्रार में समा जाती है, उस समय मन मुक्त अवस्था में होता है। मुक्त अवस्था शिवानन्द है। श्रावण मास शिवानन्द में भीगने का काल है। श्रावण मास में शिव के पास अपनी इच्छाएं निवेदित करने से शिव उन्हें सुनते हैं।

श्रवण करना बहुत बड़ी कला है। जो ध्यान से सुनता है, वह श्रवण कुमार बनता है, मातृ-पितृ भक्ति का उदाहरण। सुनने के लिए शिव हैं। श्रवण करना भी सहज नहीं है, उससे मन भारी होता है, विचार प्रभावित होते हैं और कई बार वे सत्य जानने के बाद भी बदल जाते हैं। भारी मन को हल्का कैसे किया जाए? या तो रो लिया जाए, या नहा लिया जाए। आपकी समस्या, आपके दुःख, तकलीफ को सुनकर आशुतोष के भी आंसू निकलते हैं। शिव के नेत्र के अश्रु रुद्राक्ष हैं। भक्त पहन लेते हैं और शिव का अभिषेक करते हैं तथा उन्हें निवेदित करते हैं अपनी सभी परेशानियों को, जिसका शिव शमन कर देते हैं।

शिवाभिषेक अभाव से ऊपर उठने का भाव है। शिव को जब हम अपनी वेदना समर्पित करते हैं, उसका अर्थ है कि हम अपने अभाव शिव को निवेदित करते हैं। अ-भाव से ऊपर उठना शिवाभिषेक है। यह पीड़ित मानवता को गंगाजल की भांति शीतल कर देता है। शायद इसलिए सावन में शिव को जल अर्पित करते हैं, क्योंकि शिव प्रार्थनाओं को सुन रहे हैं, पूर्ण कर रहे हैं। कुछ काल के लिए ही सही, आसक्तियों से मुक्त कर रहे हैं, जब तक दूसरा ज्वर ना पकड़ ले।

शिवाभिषेक करने वाला शिव को अपने अन्दर पा लेता है। हर व्यक्ति मन की शान्ति चाहता है, उसे पाता कौन है? जिसने अपने अन्दर शिव को पाया, उसे शान्ति मिलती है। ...और शिव शम्भु की अनुभूति का नाम ही आह्लाद है।

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

16 को खत्म होगा मलमास, 17 से होगी शुद्ध श्रावण मास की शुरुआत

17 जुलाई से शुरू हुआ मलमास 16 अगस्त को समाप्त होगा। 17 अगस्त से शुद्ध मास श्रावण मास में फिर देवाधिदेव महादेव की पूजा होगी। कहा जाता है - ''शिवः अभिषेकप्रियः श्रावणे पूजयेत शिवम्!!'' भगवान शिव को अभिषेक बहुत प्रिय है, इसलिए मंदिरों में भगवान महादेव के शिवलिंग पर दूध, गंगाजल आदि से अभिषेक करने की परंपरा पुरातन काल से चली आ रही है, 'श्रावणे पूजयेत् शिवम्' अर्थात सावन के महीने में भगवान शिव का पूजन करना चाहिए। शिव मानस पूजा में भगवान शिव की स्तुति करते हुए कहा गया है :-

आत्मा त्वं गिरिजा मतिः सहचराः प्राणाः शरीरं गृहं
पूजा ते विषयोपभोग रचना निद्रा समाधिस्थितिः।
संचारः पदयोः प्रदक्षिण विधिः स्तोत्राणि सर्वा गिरा
यद्यत्कर्म करोमि तत्तदखिलं शम्भो तवाराधनाम।।

अर्थात् हे भगवान शंकर, मेरी आत्मा आप हैं, मेरी बुद्धि आपकी शक्ति पार्वती हैं, मेरे प्राण आपके गण हैं, मेरा यह पंच भौतिक शरीर आपका मंदिर है, संपूर्ण विषय भोग की रचना आपकी पूजा ही है, मैं जो सोता हूं, वह आपकी ध्यान समाधि है, मेरा चलना-फिरना आपकी परिक्रमा है, मेरी वाणी से निकला प्रत्येक उच्चारण आपके स्तोत्र व मंत्र हैं, इस प्रकार मैं आपका भक्त जिन-जिन कर्मों को करता हूं, वह आपकी आराधना ही है।

यदि हम सुख की दृष्टि से देखें तो पाएंगे कि हमारे प्रत्येक देवी-देवता के पूजन व अर्चन के लिए कुछ विशेष समय का उल्लेख हमारे शास्त्रों में पाया जाता है, चैत्र नवरात्र और शारदीय नवरात्र में शक्ति स्वरूपा मां दुर्गा के नौ भिन्न भिन्न स्वरूपों का पूजन व अर्चन किया जाता है। रामनवमी पर भगवान राम का पूजन, विजयदशमी पर मां दुर्गा का पूजन, मकर संक्रांति और छठ पूजा के दौरान भगवान सूर्य का पूजन, एकादशी पर भगवान विष्णु की आराधना, गणेश चतुर्थी पर भगवान गणपति का पूजन, महाशिवरात्रि, श्रावण मास और त्रयोदशी के दिन भगवान शिव की आराधना आदि, इसी प्रकार अन्य देवी देवताओं के लिए भी भिन्न भिन्न समय निर्धारित हैं। वस्तुतः, वैदिक काल से ही देवी देवताओं की स्तुति की परंपरा को हमारे प्राचीन ऋषि मुनियों और मनीषियों ने हमारे विचारों के साथ जोड़ दिया, जो आज हजारों साल बाद भी भारतीय समाज में संस्कार के रूप में अक्षुण्ण दिखाई देती है।

- ज्योतिषाचार्य पं. तरुण झा -
संस्थापक एवं निर्देशक, ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान, सहरसा।

मानव जीवन में स्वच्छता का महत्व सर्वोपरि : डॉ. अनिल

विशेष संवाददाता

पटना : पटना नगर निगम स्वच्छता जागरुकता टीम द्वारा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एजुकेशन एंड रिसर्च में स्वच्छता जागरुकता अभियान चलाया गया। इसका शुभारंभ संस्थान के निदेशक शिक्षाविद डॉ अनिल सुलभ तथा पटना नगर निगम स्वच्छता जागरुकता अभियान के ब्रांड एंबेसडर डॉ नीतू कुमारी नवगीत ने किया। जागरुकता कार्यक्रम में डॉ अनिल सुलभ ने कहा कि मानव जीवन के लिए स्वच्छता का सर्वोपरि महत्व है। मानव जीवन मूल्यवान है। इसे गुणवत्तापूर्ण और कल्याणकारी बनाने के लिए आवश्यक है कि व्यक्ति तन, मन और धन के साथ प्रकृति और पर्यावरण के प्रति समर्पित रहे। हमारे संपूर्ण विकास के लिए स्वच्छता और हरित पर्यावरण अति आवश्यक है।

सिर्फ अपने घर की सफाई कर लेने से बात नहीं बनेगी। अपने टोला-मोहल्ला, शहर की सड़कों तथा पूरे शहर की सफाई के लिए भी स्वच्छ आदतें अपनानी होगी। राह चलते इधर-उधर थूकने और कचरा फैलाने की आदतों पर विराम लगाना होगा। उन्होंने कहा कि पटना नगर निगम ने डॉ नीतू कुमारी नवगीत के नेतृत्व में स्वच्छता जागृति अभियान चलाकर नई पीढ़ी को संस्कारी बनाने का मूल्यवान प्रयास किया है।

लोक गायिका डॉ नीतू कुमारी नवगीत ने गीतों के माध्यम से स्वच्छता का संदेश दिया और सभी उपस्थित लोगों से स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में भाग लेने की अपील की। स्वच्छता जागरुकता टीम द्वारा विद्यार्थियों के बीच क्विज और वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। वाद विवाद प्रतियोगिता में हरित किसलय को प्रथम, जानू प्रिया को द्वितीय तथा प्रिया चंद्र को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। कृष्णा कुमार, साबिया रौशन, अंशु कुमार राय, मधुबाला, संतोष कुमार सिंह, कृतिका चौहान तथा जया को सांत्वना पुरस्कार मिला। क्विज प्रतियोगिता में पुरुषोत्तम कुमार, शिवम कुमार, प्रेम कुमार, अमन कुमार, मनीष कुमार, शशांक कुमार, हरित किसलय, मधुबाला, कृष्णा कुमार, अंजली कुमारी, कृतिका चौहान तथा आदित्य कुमार ने भाग लेकर पुरस्कार जीते।

चल जंगल चल

चल जंगल चल, चल जंगल चल
जंगल में वनरक्षक का दल
बहुत कठिन है उनका हर पल
वन्यजीव और वन की रक्षा
वनभूमि की सकल सुरक्षा
ये सब उनके ही जिम्मे हैं
कोई डंडा है न अन्य हथियार... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल चल

चल जंगल चल, चल जंगल चल
जातिवाद से उग्रवाद तक
जंगल पर दे जाते दस्तक
इनसे जंगल मुक्ति चाहें
जन-जन की अभ्युक्ति चाहें
इस पवित्र गृह के शरणागत
करते घृणित कर्म अपने विस्तार... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल चल

(क्रमशः)

कुमार मनीष अरविन्द

भारतीय पत्रकार संघ ने किया सम्मान समारोह का आयोजन

विशेष संवाददाता

उदयपुर : एसोसिएशन ऑफ इंडियन जर्नलिस्ट (भारतीय पत्रकार संघ) द्वारा देश भर के पत्रकारों के लिए राष्ट्रीय सम्मान समारोह का आयोजन राजस्थान में झीलों की नगरी उदयपुर में किया गया। भारतीय पत्रकार संघ, राजस्थान के प्रदेश महासचिव डॉ. चेतन ठठेरा ने बताया कि एसोसिएशन ऑफ इंडियन जर्नलिस्ट के देशभर के पत्रकारों का सम्मेलन और सर्वश्रेष्ठ पत्रकारों का सम्मान समारोह उदयपुर के सेक्टर 4 स्थित अटल सभागार भवन में हुआ। इस समारोह में विभिन्न राज्यों के पत्रकारों ने भाग लिया। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकारों ने पत्रकारिता, समाज और राजनीति पर चर्चा की। साथ ही, वर्तमान स्थिति में पत्रकारों का सम्मान और उनकी सुरक्षा पर भी सवाल उठाया। समारोह में मुख्य अतिथि के के गुप्ता, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), भारत सरकार, एनएसएससी सदस्य पूर्व सभापति, नगर परिषद डूंगरपुर तथा विशिष्ट वक्ता वरिष्ठ पत्रकार डॉ श्री प्रतीक श्रीवास्तव रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीकांत चतुर्वेदी, समूह संपादक, नवभारत ने की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए श्रीकांत चतुर्वेदी कहा कि पत्रकारिता किसी भी लोकतंत्र में जनता को सूचित करने, सच्चाई को उजागर करने और सत्ता को जवाबदेह ठहराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। प्रेस की स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार का एक अनिवार्य घटक है। यह पत्रकार को बिना सेंसर और अनुचित हस्तक्षेप के समाचार प्रकाशित या प्रसारित करने में सक्षम बनाता है।

कार्यक्रम के सूत्रधार एवं भारतीय पत्रकार संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रम सेन ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि यह संगठन 2014 से पत्रकारों के हितों में कार्य कर रहा है। पूरे देश में 88 हजार से ज्यादा पत्रकार इस संगठन से जुड़े हुए हैं। यह संगठन भारत के 22 राज्यों में फैला हुआ है। हमारा फर्ज बनता है कि हम पत्रकारों के हित में आवाज उठाएं, उन्हें एक रखें एवं पत्रकारों का पूरा सहयोग करें। आजादी की लड़ाई में प्रेस ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। हमें बिना डरे बेझिझक खबरें लिखनी चाहिए, चाहे वह सत्ता के पक्ष में हो, या विपक्ष में। कार्यक्रम को मुख्य अतिति के के गुप्ता के अलावा पुष्पेंद्र वैद्य, जी एस टांक, हेमंत पाल, पारस सिंघवी, अमृत कलासुआ, एआईजे के प्रदेश अध्यक्ष विवेक पराशर आदि ने संबोधित किया।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की तस्वीर पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन से हुई। इस अवसर पर आलोक विद्यालय की बालिकाओं ने सरस्वती वंदना का गायन किया। साथ ही, बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। समारोह में परोपकार के कार्यों में अपनी सहभागिता के लिए कतिपय लोगों को भी सम्मानित किया गया।

रेडमी 12 5जी की धूम

बाजार में नया

रेडमी ने बीते हफ्ते अपना नया फोन रेडमी नोट 12 5जी तीन वेरिएंट्स में उतार दिया। यह बाजार में धूम मचा रहा है। डुअल रियर कैमरा सेटअप, बैक पैनल पर एलईडी फ्लैश, एफ/1.8 अपर्चर वाला 50 मेगापिक्सल का प्राइमरी लेंस और 2 मेगापिक्सल का डेप्थ कैमरा है। सेल्फी और वीडियो कॉलिंग के लिए इस फोन में एफ/2.0 अपर्चर वाला 8 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा दिया गया है। बेस वेरिएंट में 4जीबी रैम के साथ 128जीबी स्टोरेज दी गई है, जिसकी कीमत 16,999 रुपये है। इसके दूसरे वेरिएंट में 6जीबी और 128जीबी मैमोरी मौजूद है और इसका प्राइस 18,999 रुपये है। वहीं सबसे बड़ो रेडमी नोट 12 5जी वेरिएंट 8जीबी रैम और 256जीबी स्टोरेज के साथ आता है तथा इसकी कीमत 20,999 रुपये है। रेडमी 12 5क्ष में 2400 गुना 1080 पिक्सल रेज्ल्यूशन वाली 6.79 इंच फुलएचडी और पंच-होल डिस्प्ले दी गई है। बैटरी क्षमता 5,000 एमएएच है।

पेज- एक का शेष

मुजरिमों की गिरफ्तारी...

संबोधन में डिजिटल साक्ष्य को कैसे प्राप्त किये जाए और कैसे न्यायालय में प्रस्तुत किये जाये उसे सरल एवं रोचक तरीके से विस्तार से बताया। अधिवक्ता आनंदवर्धन ने अनुसंधान एवं त्वरित वाद निष्पादन तथा न्यायपालिका में तेजी से न्याय करने की चुनौतियों के बारे में ज्ञानवर्धन किया। सम्मेलन में, झारखंड उच्च न्यायालय के अधिवक्ता ने खदान एवं खनिज अधिनियम के तहत होने वाले अपराधों एवं प्रावधानों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इससे पूर्व, सम्मेलन स्थल पर पहुंचे मुख्य अतिथि न्यायाधीश सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह एवं सम्मानित अतिथि मुख्य न्यायाधीश झारखंड उच्च न्यायालय-सह- संरक्षक-प्रमुख न्यायिक अकादमी झारखंड माननीय न्यायमूर्ति संजय कुमार मिश्रा, न्यायाधीश झारखंड उच्च न्यायालय एवं कार्यकारी अध्यक्ष झालसा माननीय न्यायमूर्ति एस. चन्द्रशेखर, न्यायाधीश झारखंड उच्च न्यायालय एवं प्रभारी न्यायाधीश न्यायिक अकादमी, झारखंड माननीय न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद, न्यायाधीश झारखंड उच्च न्यायालय माननीय न्यायमूर्ति आनंदा सेन, न्यायाधीश झारखंड उच्च न्यायालय न्यायमूर्ति आर मुखोपाध्याय, न्यायाधीश झारखंड उच्च न्यायालय न्यायमूर्ति प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, न्यायाधीश झारखंड उच्च न्यायालय न्यायमूर्ति राजेश शंकर, न्यायाधीश झारखंड उच्च न्यायालय न्यायमूर्ति दीपक रौशन, न्यायाधीश झारखंड उच्च न्यायालय न्यायमूर्ति संजय प्रसाद न्यायाधीश झारखंड उच्च न्यायालय समेत झारखंड उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश आदि को पुष्पगुच्छ देकर एवं आदिवासी परंपरा के अनुसार ढ़ोल-नगाड़ों के साथ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश कुमारी रंजना अस्थाना, उपायुक्त कुलदीप चौधरी, पुलिस अधीक्षक प्रियदर्शी आलोक, उप विकास आयुक्त कीर्तिश्री जी., अन्य न्यायिक पदाधिकारियों ने स्वागत किया। मौके पर राज्य के विभिन्न जिलों से माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, न्यायिक पदाधिकारीगण, पुलिस पदाधिकारीगण, जिलों के वरीय पदाधिकारीगण, अधिवक्तागण आदि प्रशासनिक पदाधिकारी उपस्थित थे।

स्वास्थ्य-संकटों से निपटने को ले एकजुट हुई वैश्विक आवाज

ब्रिक्स स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक में किया गया विचार मंथन

ब्यूरो संवाददाता

नई दिल्ली : 'जी20 की भारत की अध्यक्षता ने दक्षिणी दुनिया के देशों की चिंताओं को मुखर रूप से सामने रखने के लिए एक विशिष्ट मंच प्रदान किया है। इसकी भूमिका से लाभ हुआ है, क्योंकि पूर्ववर्ती अध्यक्ष (इंडोनेशिया) और अगले अध्यक्ष (ब्राजील) दोनों ही जी20 के तीन अगुवाओं (ट्रोइका) में शामिल हैं। यह स्थिति दक्षिणी दुनिया के देशों के सामने आने वाली चुनौतियों को रेखांकित व उजागर करेगी और वैश्विक प्रशासन के शीर्ष स्तर पर इन मुद्दों को हल करने का एक मूल्यवान अवसर प्रदान करेगी।' ये बातें केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने दक्षिण अफ्रीका के डरबन में आयोजित ब्रिक्स स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए कही। डॉ. मांडविया ने कहा कि भारत एकीकृत प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों के क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने की दक्षिण अफ्रीका की पहल का समर्थन करता है क्योंकि इससे भविष्य के स्वास्थ्य संकटों के लिए तैयारी बेहतर होगी। उन्होंने कहा, 'यह सहयोग अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियम (2005) के अनुरूप, ब्रिक्स देशों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थितियों पर संक्रमण के सीमा-पार प्रसार के प्रभाव को कम करते हुए उसे रोकने के लिए प्रभावी उपायों को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।'

केन्द्रीय मंत्री ने आण्विक चिकित्सा में ब्रिक्स देशों के साथ सहयोग के लिए रूस की पहल का भी स्वागत किया और आण्विक चिकित्सा के संबंध में एक अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ मंच के गठन के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में सहयोग न केवल ज्ञान साझा करने को प्रोत्साहित करेगा, बल्कि ब्रिक्स देशों में तकनीकी प्रगति को भी बढ़ाएगा।

डॉ. मांडविया ने ब्रिक्स टीबी रिसर्च नेटवर्क पहल के शुभारंभ के बाद से इसमें हुई प्रगति को स्वीकार करते हुए इसके प्रति भारत की जारी प्रतिबद्धता को भी दोहराया और कहा कि यह 2030 तक टीबी को समाप्त करने के हमारे प्रयासों को मजबूत करेगा।

डॉ. मनसुख मांडविया ने ब्रिक्स देशों से इस बैठक के परिणामों को तत्परता एवं प्रतिबद्धता की भावना के साथ लागू करने का आग्रह किया और इस रचनात्मक भागीदारी के आयोजन के लिए दक्षिण अफ्रीका के स्वास्थ्य मंत्रालय को धन्यवाद दिया। उन्होंने ब्रिक्स की आगामी अध्यक्षता के लिए रूस को शुभकामनाएं भी दीं।

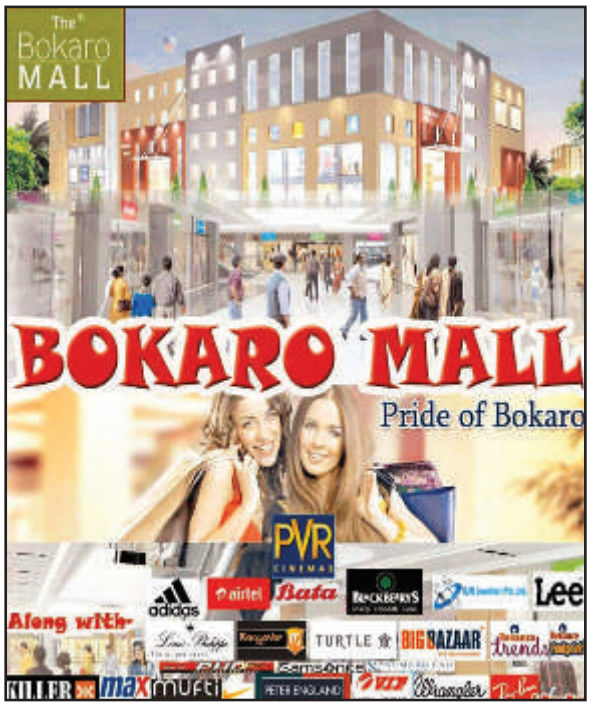

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा डीबी कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविन्दपुर रोड, जीके आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **श्रवण कुमार झा,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई.पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)